

ॐ । सुप्रसन्नोऽयं भगवान् । श्रीमद्भगवत्पद्मसूक्तम् ॥

सर्वज्ञान

[illegible]

इति चरित्रं चरित्रं

[illegible]

[illegible]

三

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥ सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं सर्वत्र भगवत्पदं ॥

॥ विष्णवे नमः ॥
सर्वभूतहिते ॥